an>

title: Regarding harassment of a dalit lady doctor at AIIMS by its administration.

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

एक अति महत्वपूर्ण विषय को मैं आपके समक्ष रखना चाहता हूँ। एम्स हमारा राष्ट्रीय अस्पताल है, जहाँ प्रतिदिन हजारों मरीज आते हैं और मरीजों की सुरक्षा तथा सुविधा का ध्यान रखना एम्स प्रशासन की जिम्मेदारी है। केन्द्र सरकार इसे गंभीरता से ले, ताकि मरीजों को कोई तकलीफ न हो। इसी में एक विशेष बात सामने आयी है। एम्स, नई दिल्ली में दलित, आदिवासी और गरीब लोगों का शोषण होता है, यह जानकारी मुझे मिली है, इसलिए सदन में इसको रखना मेरे लिए जरूरी है। एक दलित की बेटी शशी मावर संकाय सदस्य है, उसका मानसिक उत्पीड़न होते रहता है और हुआ है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने इस केस में जातिगत उत्पीड़न मामला उठाते हुए महिला संकाय सदस्य को तुरन्त उसके पद पर बहाल करने का निर्देश दिया, लेकिन फिर भी यह मामला लम्बित पड़ा है और आयोग के फैसले पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। माननीय मंत्री जी यहां हैं, मंत्री जी इस मामले में, मैं मानता हूं प्रोग्रेसिव हैं, तो जरूर इसका ख्याल करेंगे। एम्स प्रशासन आयोग के फैसले को लागू करने में जरूर तत्परता दिखाएगा। आए दिन आम आदमी की चिकित्सा के बारे में एम्स में लापरवाही की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। लोगों को, खासकर बिहार राज्य एवं अन्य गरीब राज्यों में मरीजों को बहुत परेशानी होती है, जो मरीज असाध्य रोग से पीड़ित हैं चाहे वे कैंसर, टीबी या हार्ट के मरीज हों, ऐसे सैकड़ों मरीज आते रहते हैं, उनके लिए वहां बेहतर इलाज की सुविधा हो, मैं यह भी मांग करता हूं। साथ ही, आज मैंने जिन सवालों को उठाने का काम किया है, एम्स में इस सवाल को जनहित अभियान के सदस्य भी उठाते रहे हैं। अन्त में, मैं यही कहना चाहूंगा कि दलित, गरीब, पिछड़े वर्ग के जो भी लोग हैं, उनको सम्मान मिले। एम्स में उनका जो हक है, उसके साथ कोई जुल्म न हो, अत्याचार न हो, यह देखना केन्द्र सरकार और माननीय मंत्री जी की जिम्मेदारी है। मैं विश्वास करता हूं कि माननीय मंत्री जी जरूर इन मामलों को गंभीरता से लेंगे और इन पर विचार करेंगे। इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

डॉ. मनोज राजोरिया को श्री जय प्रकाश नारायण यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।